

## ॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: (महाभारतान्तर्गता) ॥

ॐ सूर्याय नमः  
 ॐ अर्यमणे नमः  
 ॐ भगाय नमः  
 ॐ त्वष्ट्रे नमः  
 ॐ पूषणे नमः  
 ॐ अर्काय नमः  
 ॐ सवित्रे नमः  
 ॐ रवये नमः  
 ॐ गभस्तिमते नमः  
 ॐ अजाय नमः  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ मृत्यवे नमः  
 ॐ धात्रे नमः  
 ॐ प्रभाकराय नमः  
 ॐ पृथिव्यै नमः  
 ॐ अद्ध्यो नमः  
 ॐ तेजसे नमः

१०

ॐ खाय नमः  
 ॐ वायवे नमः  
 ॐ परायणाय नमः  
 ॐ सोमाय नमः  
 ॐ बृहस्पतये नमः  
 ॐ शुक्राय नमः  
 ॐ बुधाय नमः  
 ॐ अङ्गारकाय नमः  
 ॐ इन्द्राय नमः  
 ॐ विवस्वते नमः  
 ॐ दीप्तांशवे नमः  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ शनैश्वराय नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ रुद्राय नमः  
 ॐ स्कन्दाय नमः

२०

३०

ॐ वरुणाय नमः  
 ॐ यमाय नमः  
 ॐ वैद्युताग्रये नमः  
 ॐ जाठरश्चाग्रये नमः  
 ॐ ऐन्धनग्रये नमः ४०  
 ॐ तेजसां पतये नमः  
 ॐ धर्मध्वजाय नमः  
 ॐ वेदकर्त्रे नमः  
 ॐ वेदाङ्गाय नमः  
 ॐ वेदवाहनाय नमः  
 ॐ कृताय नमः  
 ॐ त्रेतायै नमः  
 ॐ द्वापराय नमः  
 ॐ सर्वमलाश्रयाय कलये नमः  
 ॐ कलाकाष्ठामूहूर्तेभ्यो नमः ५०  
 ॐ क्षपायै नमः  
 ॐ यामाय नमः  
 ॐ क्षणाय नमः  
 ॐ संवत्सरकराय नमः  
 ॐ अश्वत्थाय नमः

ॐ कालचक्राय विभावसवे नमः  
 ॐ शाश्वताय पुरुषाय नमः  
 ॐ योगिने नमः  
 ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः ६०  
 ॐ कालाध्यक्षाय नमः  
 ॐ प्रजाध्यक्षाय नमः  
 ॐ विश्वकर्मणे नमः  
 ॐ तमोनुदाय नमः  
 ॐ वरुणाय नमः  
 ॐ सागराय नमः  
 ॐ अम्शवे नमः  
 ॐ जीमूताय नमः  
 ॐ जीवनाय नमः  
 ॐ अरिघ्ने नमः ७०  
 ॐ भूताश्रयाय नमः  
 ॐ भूतपतये नमः  
 ॐ सर्वलोकनमस्कृताय नमः  
 ॐ स्रष्ट्रे नमः

ॐ संवर्तकाय नमः		ॐ धूमकेतवे नमः	
ॐ वह्नये नमः		ॐ आदिदेवाय नमः	
ॐ सर्वस्यादये नमः		ॐ अदितेः सुताय नमः	
ॐ अलोलुपाय नमः		ॐ द्वादशात्मने नमः	
ॐ अनन्ताय नमः		ॐ अरविन्दाक्षाय नमः	
ॐ कपिलाय नमः	८०	ॐ पितृमातृपितामहेभ्यो नमः	
ॐ भानवे नमः		ॐ स्वर्गद्वाराय नमः	
ॐ कामदाय नमः		ॐ प्रजाद्वाराय नमः	१००
ॐ सर्वतोमुखाय नमः		ॐ मोक्षद्वाराय नमः	
ॐ जयाय नमः		ॐ त्रिविष्टपाय नमः	
ॐ विशालाय नमः		ॐ देहकर्त्रे नमः	
ॐ वरदाय नमः		ॐ प्रशान्तात्मने नमः	
ॐ सर्वधातुनिषेचित्रे नमः		ॐ विश्वात्मने नमः	
ॐ मनः सुपर्णाय नमः		ॐ विश्वतोमुखाय नमः	
ॐ भूतादये नमः		ॐ चराचरात्मने नमः	
ॐ शीघ्रगाय नमः	९०	ॐ सूक्ष्मात्मने नमः	
ॐ प्राणधारकाय नमः		ॐ मैत्रेयाय नमः	
ॐ धन्वतरये नमः		ॐ करुणान्विताय नमः	११०

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे

## श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: सम्पूर्णा ॥

---

This stotra can be accessed in multiple scripts at:

[http://stotrasamhita.net/wiki/Surya\\_Mahabharatam\\_Ashtottara\\_Shatanamavali](http://stotrasamhita.net/wiki/Surya_Mahabharatam_Ashtottara_Shatanamavali).

This PDF was downloaded from <http://stotrasamhita.github.io/>

Facebook: <http://facebook.com/StotraSamhita>

GitHub: <http://stotrasamhita.github.io/> | <http://github.com/stotrasamhita>

Credits: <http://stotrasamhita.net/wiki/StotraSamhita>About>